Precari, optare *alicui aliquid.* Mah. 3. 12430.: मातश्चै 'व शोचामि ... या 'स्माकन् नित्यम् आशास्ते महत्त्वम्; R. Schl. II. 6. 3.: आशास्या "त्मनः प्रियम्. *Etiam* PAR. A. 5. 19.: शिवम् आशास्त मे. — *Vid.* आशिस् *et* 2. शंस् praef. आ.

शासन *n.* (r. शास् s. अन) jussus, dictum, praeceptum. N. 2. 10. 26. 9.

शासितृ *m.* (r. शास् s. तृ) dominator, imperator. Sak. 16. 4.

शास्त्र *n.* (r. शास् s. त्र) 1) praeceptum, dogma. Bh. 15. 20. 2) liber, *quo aliqua res, disciplina, ars traditur.* N. 19. 31.

शि *5. P. A.* acuere. *In dial. Vêd. cl. 3. productâ vocali.* 1) acuere. Rigv. 55. 1.: शिशीते वज्रन् तेजसे; 81. 7.: शिशीहि राय आभर «alacres redde *nos*, opes affer *nobis*». *Part. pass.* शित (निशित संशित) *tam huc quam ad* शो *referri potest;* a Pân. (VII. 4. 41.) refertur ad शो q. v.

c. सम् *In dial. Vêd.* excitare, incitare. Rigv. 102. 10.: त्वाम् उग्रम् अवसे संशिशीमसि «te horrendum ad opem *nobis ferendam* excitamus».

शिक्ष् *1. A. interdum P.* (nihil aliud quam Desid. radicis शक्, v. gr. *552.*) discere. Man. 2. 20.: स्वं स्वञ् चरित्रं शिक्षेरन्; Mah. 1. 6326.: कथन् द्रोणात् ... सर्वास्त्राण्य् अशिक्षत; A. 4. 29.: शिक्ष मे भवनङ् गत्वा सर्वाण्य् अस्त्राणि. *Part. praes. A.* शिक्षाण pro शिक्षमाण. A. 4. 57. (v. gramm. min. ed. *2. 533. n.*). — *Caus.* docere *c. 2. acc.* Mah. 1. 5238.: द्रोणो ऽर्जुनम् ... रणशिक्षाम् अशिक्षयत्. *Pass. c. acc. rei.* In. 3. 11.: स शिक्षितो नृत्यगुणान्.

c. अनु *Caus.* docere. Mah. 1. 5761.

c. अभि *Caus.* id. Mah. 1. 8033.

c. उप discere. In. 3. 3. N. 21. 33. A. 1. 12.

शिक्षा *f.* (a शिक्ष् q. v. s. आ) doctrina, scientia, disciplina. Mah. 1. 5238.

शिक्षाण v. शिक्ष्.

शिखण्ड *m.* pavonis cauda. Am.

शिखण्डक *m.* (a praec. s. क) 1) *id.* 2) cinnus in vertice. Ur. 87. 7. infr.

शिखण्डिन् *m.* (a शिखण्ड s. इन्) pavo.

शिखर *m. n.* cacumen. N. 12. 41.

शिखरिन् *m.* (a praec. s. इन्) mons. Bh. 10. 23.

शिखा *f.* 1) cacumen, vertex. 2) crista, *praesertim* pavonis crista. 3) cinnus in vertice. Megh. *89.* 4) flamma. N. 11. 36. Dr. 2. 1. (Cf. hib. *sigh* «a hill, hillock».)

शिखिन् *m.* (a praec. s. इन्) 1) pavo. Ur. 88. *16.* 2) ignis. Ur. 25. 4. *infr.*

शिङ्घ् *1. P.* (आघ्राणे; scribitur शिघ्, gr. 110[a].) odorari, olfacere.

c. उप (nisi आ praef. उप) osculari. Bhatt. 17. *95.*: मूर्धन्य् उपाशिङ्घत् (v. घ्रा c. आ praef. उप).

शिञ्ज् *2. A.* (scribitur शिज्, gr. 110[a].) tinnire. Bhatt. 14. 4.: घण्टाः शिशिञ्जिरे. — *Vid.* शिञ्जित.

शिञ्ज *m.* शिञ्जा *f.* (r. शिञ्ज् s. अ fem. आ) tinnimentum.

शिञ्जित (a शिञ्ज vel शिञ्जा s. इत) 1) tinnitu praeditus, tinniens. Ragh. 9. *36.* 2) *n.* tinnitus. Ur. 65. 8.

शिट् *1. P.* (अनादरे) despicere, parvi aestimare. *Cf.* सिट्.

शित v. शि et शो.

शिति (ut videtur, a r. शि s. ति) 1) albus. 2) niger. Am. शितौ धवलमेचकौ. *Vid. sq.*

शितिकण्ठ *m.* (nigrum collum habens, BAH. e शिति niger et कण्ठ) 1) pavo, *v.* नीलकण्ठ. 2) cognomen *Sivi.*

शितिकण्ठक (a praec. s. क) nigrum collum habens. Ur. 88. 14.

शिथिल laxus, relaxus, solutus. Megh. *69.* *Cf.* श्रथ्, श्लथ्, श्लथ.

शिर *n.* caput, *v. sq.*

शिरस् *n.* caput. In. 2. 19. 5. 20. (Fortasse शिरस् e शरस्, debilitato अ in इ sicut in पितृ q. v.; cf. gr. *κάρα, κέρας, κρανίον*; lat. *cranium, cere-brum,* quod capite fertur, mutato *f* in *b*, v. gr. comp. 18., *cer-vix*, v. शिरोधरा, शिरोधि; *crinis*, v. शिरसिज, केश; शिरोरुह, *cornu*, v. शृङ्ग; fortasse *crista* primitive in capite stans, ita ut *cri-sta* = शिरःस्थ; fortasse *calva* e *carva*; goth.